नकली शोध पत्रिकाएं लेखकों को लूट रही हैं

वैज्ञानिक शोध का प्रकाशन विज्ञान के कामकाज का एक महत्त्वपूर्ण अंग है। शोधकर्ता अपने शोध कार्य के परिणामों को सार्वजनिक करने के लिए जर्नल्स पर निर्भर हैं। इस बात का फायदा उठाकर दो प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं की नकल निकाली जा रही है और इनमें शोध पत्र प्रकाशन के लिए लेखकों से पैसा वसूला जा रहा है।

जिन जर्नल्स की नकली वेबसाइट्स बनाई गई हैं उनमें से एक है *आर्काइव्स डेस साइन्सेज़*। यह जर्नल 1791 में शुरू किया गया था और इसका प्रकाशन स्विट्ज़रलैण्ड की सोसायटी ऑफ फिज़िक्स एण्ड नेचुरल हिस्ट्री द्वारा किया जाता है। इस तरह की नकलपट्टी का दूसरा शिकार है ऑस्ट्रिया के रीजनल म्यूज़ियम ऑफ केरिंथिया द्वारा प्रकाशित *वुल्फेनिया* नामक शोध पत्रिका।

नकलबाज़ों ने इन दोनों जर्नल्स की जो वेबसाइट्स बनाई हैं उनमें एक-एक बारीकी का ध्यान रखा गया है। इन वेबसाइट्स पर प्रामाणिक शोध पत्रिकाओं के शीर्षक, उनकी अंतर्राष्ट्रीय मानक क्रम संख्याएं, इम्पैक्ट फैक्टर वगैरह सारी जानकारी दी गई है। वेबसाइट्स पर शोधकर्ताओं को सूचना दी गई है कि यदि वे अपना शोध पत्र इस जर्नल में प्रकाशित करवाना चाहें, तो 500 डॉलर का शुल्क भेजें।

इन वेबसाइट्स का पता पिछले वर्ष तब चला जब ऐसे कई लेखकों ने मूल जर्नल्स के कार्यालयों में फोन कर-करके अपने शोध पत्र के प्रकाशन के बारे में जानकारी चाही। ज़रूरी शुल्क देने के बावजूद शोधकर्ताओं के शोध पत्रों के प्रकाशन का नामो निशान नहीं था।

इन धोखाधड़ियों का दूसरा संकेत एक अन्य स्रोत से मिला। न्यूयॉर्क में एक संस्था है थॉमसन रॉइटर्स। इसका काम है कि विभिन्न जर्नल्स में प्रकाशित शोध पत्रों का लेखा-जोखा रखना।

थॉमसन रॉइटर्स ने पाया कि *आर्काइव्स डेस साइन्सेज़* की मुद्रित प्रति में जो लेख होते हैं और वेबसाइट पर जो लेख हैं वे अलग-अलग हैं। इसके अलावा यह भी देखा गया कि मूल *आर्काइव्स डेस साइन्सेज़* और वेबसाइट पर प्रकाशित जर्नल की प्रकाशन अवधियों में भी अंतर है। थॉमसन रॉइटर्स ने इस बाबत जब *आर्काइव्स डेस साइन्सेज़* से पूछताछ की तो पता चला कि *आर्काइव्स* की कोई वेबसाइट है ही नहीं।

जांच-पड़ताल करने पर पता चला है कि धोखेबाज़ों ने वेबसाइट पर संपादकों के नाम-पते भी झूठे डाले हुए हैं। अब कोशिश की जा रही है कि इन धोखेबाज़ों को कानून की गिरफ्त में लाया जाए ताकि विज्ञान प्रकाशन की साख को बहाल किया जा सके। ***(स्रोत फीचर्स)***